टीचर टेक्स्ट

हिंदी

Teacher Text - Hindi

Part - II

कक्षा XI

केरल सरकार

शिक्षा विभाग

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, केरल द्वारा तैयार की गई

2014

वार्षिक आयोजन

क्र.सं	महीना	इकाई	पाठ का नाम
1.	जून	1	अनुताप
2.	जुलाई	1	मधुऋतु
3.	अगस्त	1	यह हमारा अधिकार है, जुलूस
4.	सितंबर	1,2	जुलुस (ज़ारी), दोहे, ब्लैक : स्पर्श जहाँ भाषा बनता है
5.	अक्तूबर	2,4	आपकी आवाज़, समय के साथ हम भी...
6.	नवंबर	3	चाँद और कवि, आनंद की फुलझड़ियाँ
7.	दिसंबर	3	पत्थर की बैंच, सृजन की ओर
8.	जनवरी	3,4	दुख, अपराध
9.	फरवरी	4	अपराध (ज़ारी), कहना नहीं आता

इकाई 1

पहली इकाई है **'सपने-सुहाने'**। पहला पाठ हिंदी के उदीयमान कहानीकार सुकेश साहनी की मर्मस्पर्शी लघुकथा है। आज मनुष्य व्यस्त है। इस व्यस्तता में लघुकथा नामक विधा लोकप्रिय होती जा रही है। आज की पीढ़ी में सहजीवियों के प्रति अनुताप या समानुभूति की भावना कम होती जा रही है। कहानी का कथावाचक, अपने को रिक्शा चलानेवाले असलम की मृत्यु का ज़िम्मेदार मानता है। दूसरा पाठ हिंदी के प्रसिद्ध छायावादी कवि जयशंकर प्रसाद की कविता 'मधुऋतु' है। मधुऋतु में प्रकृति के माध्यम से प्रेम की मानवीय भावनाओं का मोहक वर्णन करके कवि ने प्रकृति और मानव को एक ही मंच पर ला खड़ा किया है। छायावादी कविता की विशेषताओं से परिचित होने का अवसर छात्रों को मिलता है। सूचना का अधिकार अधिनियम का पारित होना भारत की संसद के इतिहास का मील-पत्थर है। इस अधिनियम के तहत जनता को प्राप्त सामान्य अधिकारों से अवगत होने के साथ-साथ सूचना अधिकार पत्र तैयार करने की जानकारी भी अध्येता इसमें प्राप्त करता है। अंतिम पाठ 'जुलूस' है। मुंशी प्रेमचंद की कहानी का नाट्यरूपांतरण उसी नाम से समकालीन हिंदी कथा साहित्य की चर्चित महिला कथाकार चित्रा मुद्गल द्वारा हुआ है। इसका मर्मस्पर्शी अंश पाठ के रूप में रखा गया है। देशप्रेम और धर्म निरपेक्षता की भावना जगाने में पाठ सक्षम है। अध्येता को नाट्य मंचन से संबद्ध सामान्य जानकारी प्राप्त होती है।

अनुताप

मूल्य एवं मनोभाव : हमदर्दी का भाव **समय : 3 घंटे**

आशय/धारणा	गतिविधियाँ एवं निर्धारण	अधिगम उपलब्धियाँ
• लघुकथा रचनाकार की संवेदनाओं को अभिव्यक्त करने का लघुतम विधा है। • वैयक्तिक संवेदना की अभिव्यक्ति डायरी द्वारा संभव है। • लघुकथा के चरम लक्ष्य का सूचक है शीर्षक।	▸ प्रवेश कार्य ▸ लघुकथा का वाचन ▸ विश्लेषणात्मक प्रश्नों के ज़रिए चर्चा (आपसी निर्धारण) ▸ प्रसंगों का वर्गीकरण (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ डायरी का लेखन (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ सूचकों के आधार पर अनुताप कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर चर्चा (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ चर्चा के आधार पर विचारों की प्रस्तुति। (आपसी निर्धारण) ▸ कहानी के लिए नया शीर्षक देना। ▸ नए शीर्षक की सार्थकता पर टिप्पणी। (अध्यापिका का निर्धारण)	• लघुकथा की शैलीगत विशेषताएँ पहचानकर लघुकथा के प्रसंग का विधांतरण करता है। • लघुकथा के नए शीर्षक की सार्थकता पर चर्चा करके टिप्पणी लिखता है।

मधुऋतु

मूल्य एवं मनोभाव : सौंदर्यानुभूति प्राप्त करता है। **समय : 4 घंटे**

आशय/धारणा	गतिविधियाँ एवं निर्धारण	अधिगम उपलब्धियाँ
• छायावादी कविताओं की अपनी शैली एवं प्रवृत्तियाँ होती हैं। • छायावादी कविताओं की कुछ भावगत विशेषताएँ हैं। • भावानुकूल आलाप से कविता की सौंदर्यानुभूति बढ़ती है।	▸ प्रवेश कार्य ▸ कविता की वाचन प्रक्रिया (स्वनिर्धारण) ▸ प्रश्नों की प्रस्तुति एवं चर्चा। (आपसी निर्धारण) ▸ कोमल पदावलियों का चयन (आपसी निर्धारण) ▸ समानार्थी शब्दों का चयन (आपसी निर्धारण) ▸ विश्लेषणात्मक प्रश्नों के ज़रिए चर्चा। (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ छायावादी प्रवृत्तियों को सूचित करनेवाली पंक्तियों का चयन (आपसी निर्धारण) ▸ पंक्तियों का आशय स्पष्टीकरण (आपसी निर्धारण) ▸ आशय स्पष्टीकरण के लिए चर्चा (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ कविता पर आस्वादन टिप्पणी (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ वैयक्तिक तौर पर कविता का वाचन (आलाप का आपसी निर्धारण) ▸ वीडियो द्वारा कविता की प्रस्तुति।	• छायावादी कविता की शैली एवं प्रवृत्तियाँ पहचानकर विशेषताएँ सूचीबद्ध करता है। • छायावादी कविता का आस्वादन करके टिप्पणी लिखता है। • कविता का भावानुकूल वाचन करता है।

यह हमारा अधिकार है...

मूल्य एवं मनोभाव : सच्चे नागरिक का दायित्व निभाना।

समय : 5 घंटे

आशय/धारणा	गतिविधियाँ एवं निर्धारण	अधिगम उपलब्धियाँ
• सूचना का अधिकार अधिनियम भारत के लोकतांत्रिक व्यवस्था में हर नागरिक का अधिकार है। • जनतंत्र को सशक्त बनाने के लिए सूचना का अधिकार अधिनियम का फायदा उठाना हर नागरिक का कर्तव्य है।	▸ प्रवेश कार्य : ▸ वीडियो की प्रस्तुति, चर्चा (अध्यापिका का निर्धारण) पादटिप्पणी-लेखन (स्वनिर्धारण) ▸ सूचना का अधिकार अधिनियम पत्र का वाचन (आपसी निर्धारण) ▸ पत्र की रूपरेखा एवं विषयवस्तु पर चर्चा (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ खंभों की पूर्ति (स्वनिर्धारण) ▸ पाठकनामा का वाचन (स्वनिर्धारण) ▸ पाठकनामा की विषयवस्तु पर चर्चा (आपसी निर्धारण) ▸ प्रश्नों का निर्माण (आपसी निर्धारण) ▸ सूचना का अधिकार अधिनियम पत्र की तैयारी (अध्यापिका का निर्धारण)	• सूचना का अधिकार अधिनियम की अवधारणा पाकर पत्र तैयार करता है।

जुलूस

मूल्य एवं मनोभाव : देशप्रेम **समय : 5 घंटे**

आशय/धारणा	गतिविधियाँ एवं निर्धारण	अधिगम उपलब्धियाँ
• कहानियों का नाट्य रूपांतरण संभव हैं। • नाट्य रूपांतर की अपनी विशेष शैली है। • नाटक में प्रत्येक पात्र की अपनी भूमिका है। • अभिनय एक सृजनात्मक अभिव्यक्ति है। • समस्याओं का नाटकीय प्रस्तुतीकरण सामाजिक परिवर्तन का साधन है।	▸ प्रवेश कार्य ▸ वाचन प्राक्रिया (स्वनिर्धारण) ▸ समानार्थी शब्दों का चयन (आपसी निर्धारण) ▸ पात्रों का चयन (आपसी निर्धारण) ▸ पात्रों के चरित्र पर टिप्पणी लेखन (स्वनिर्धारण) ▸ नाटक का मंचन (अध्यापिका का निर्धारण)	• नाट्य रूपांतर की शैली पहचानकर प्रसंगानुकूल वाचन करता है। • नाट्य रूपांतर का विश्लेषण करके पात्रों के चरित्र पर टिप्पणी लिखता है। • नाटक का मंचन करता है। • देशप्रेम का आदर्श अपनाता है।

अनुताप

अधिगम उपलब्धियाँ

1.1 लघुकथा की शैलीगत विशेषताएँ पहचानकर उसके विभिन्न प्रसंगों का विधांतरण करता है।

1.2 लघुकथा के शीर्षक की सार्थकता पर चर्चा करके अपना विचार प्रकट करता है।

1.3 सहजीवों से हमदर्दी प्रकट करता है।

आशय / धारणा

- लघुकथा रचनाकार की संवेदनाओं को अभिव्यक्त करने का लघुतम विधा है।
- वैयक्तिक संवेदना की अभिव्यक्ति डायरी द्वारा संभव है।
- लघुकथा के भाव का सूचक है शीर्षक।

समय : 3 घंटे

सामग्री : वीडियो, चित्र (1)

गतिविधि / प्रक्रिया

प्रवेश कार्य

- समानुभूति या हमदर्दी (Sympathy) प्रकट करनेवाले वीडियो या चित्र का प्रदर्शन।
- वीडियो के दृश्य या चित्र पर चर्चा।
- छोटे-छोटे प्रश्नों के द्वारा चर्चा का पुष्टीकरण।

  जैसे :
  - चित्र या वीडियो में आपने क्या देखा?
  - यह घटना कहाँ हुई?
  - वीडियो या चित्र के पात्र क्या कर रहे हैं?
  - वे ऐसा क्यों करते हैं?
- छात्र उत्तर दें।

अध्यापिका द्वारा संक्षिप्तीकरण :

समानुभूति या हमदर्दी प्रकट करनेवाली अनेक कहानियाँ हिंदी में लिखी गई हैं। ऐसी कहानियाँ पढ़कर सकारात्मक भाव अपनाना है।

- '**अनुताप**' कहानी पढ़ने का निर्देश दें।

सूचनात्मक वाचन

- छात्र वैयक्तिक वाचन करें।
- अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ें और प्रस्तुत करें।

(छात्र आपसी निर्धारण करें कि अर्थों का चयन सही है।)

- निम्नलिखित प्रसंगों को पात्रों से जोड़ने का अवसर दें। (पन्ना 11)
  - उसे शाक-सा लगा।
  - उसकी आवाज़ में गहरी उदासी थी।
  - उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।
  - कल की घटना उसकी आँखों के आगे सजीव हो उठी।
  - एकबारगी उसकी इच्छा हुई कि रिक्शे से उतर जाए।
  - किसी कार के हार्न से चौंक्कर वह वर्तमान में आ गया।
  - उसके लिए यह चढ़ाई खास मायने नहीं रखती थी।
  - वह अपराधी की भाँति सिर झुकाए चल रहा था।

(प्रस्तुति पर आपसी निर्धारण)

- छात्र ऊपर के प्रसंगों पर 'वह' के स्थान पर संज्ञा शब्द जोड़कर वाक्यों का पुनर्लेखन करें। जैसेः यात्री को शाक-सा लगा।
- वाक्य रचनापरक संशोधन करें।

विश्लेषणात्मक वाचन

- अध्यापिका विश्लेषणात्मक प्रश्नों से जुड़े प्रसंग प्रस्तुत करें और प्रश्न पूछें। साथ ही छात्र की प्रतिक्रिया पर चर्चा करें और संक्षिप्तीकरण करें।
  - उसे शाक-सा लगा। क्यों?

असलम की आकस्मिक मृत्यु की ख़बर सुनकर।
↓
जीवन की क्षणिकता के बारे में सोचकर।

- उसकी आवाज़ में गहरी उदासी थी। क्यों?

असलम की मृत्यु के कारण।
↓
अपने साथी को खो जाने के कारण।

- 'इनके साथ हमदर्दी जताना बेवकूफी होगी'- यहाँ यात्री का कौन सा मनोभाव प्रकट हो रहा है?

श्रमिक वर्ग के प्रति उपेक्षा का भाव।

- 'वह किसी अपराधी की भाँति सिर झुकाए रिक्शे के साथ साथ चल रहा था। क्यों?

अपने सहजीव के प्रति दिखाई गई उपेक्षा से उत्पन्न पश्चाताप के कारण।

(प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

- डायरी लेखन। (पन्ना सं 11)
- डायरी की विशेषताओं पर चर्चा।
- चर्चा के आधार पर सूचकों को बोर्ड पर लिखें।
- प्रसंग तथा संकेतों के आधार पर डायरी लिखने का निर्देश दें।
- रूपपरक एवं प्रोक्तिपरक संशोधन प्रक्रिया चलाएँ।

डायरी की टीचर वेर्शन

21 जुलाई 2014
सोमवार

आज असलम नहीं आया।

नए रिक्शेवाले से उसकी मृत्यु की ख़बर सुनकर मेरा कलेजा टूटा गया। असलम ने दो-एक बार बीमारी के बारे में बताया था।... सोचा, हमदर्दी जताना बेवकूफी है। क्या मैं अमानवीय था?... उस श्रमिक के सिर के पसीने की बूँदें आज मेरे आँसू बन गए हैं। रिक्शा से उतरकर चला... असलम के प्रति मेरी श्रद्धांजलि...

(सूचकों के आधार पर (पन्ना सं-11) स्वनिर्धारण)

आलोचनात्मक वाचन

- '**अनुताप**' कहानी के शीर्षक पर चर्चा :
- अध्यापिका प्रश्न पूछती है। जैसे,

  'वह किसी अपराधी की भाँति सिर झुकाए रिक्शे के साथ चल रहा था।
  - अपराधी की भाँति कौन चल रहा था?
  - वह अपराधी जैसे क्यों चल रहा था?
  - क्या आपकी दृष्टि में वह अपराधी है? क्यों?
  - यात्री के मनोभाव के साथ शीर्षक का कोई संबंध है?
- सूचकों (पन्ना 11) के आधार पर शीर्षक की सार्थकता पर छात्र प्रतिक्रिया करें।
- अध्यापिका अनुताप कहानी के लिए नया शीर्षक देने का निर्देश दें।
- दो-चार छात्रों का प्रस्तुतीकरण।

(शीर्षक की सार्थकता पर स्वनिर्धारण)

- अपने शीर्षक की सार्थकता पर टिप्पणी लिखने का निर्देश दें।

(टिप्पणी पर अध्यापिका का निर्धारण)

अतिरिक्त गतिविधियाँ

- 'अनुताप' कहानी का चित्रवाचन (पन्ना 9) और उसपर चर्चा।
- लघुकथा / लघुकथाकार की विशेषताओं पर चर्चा।

  (सहायक सामग्री : प्रोफाइल (पन्ना 8) और परिशिष्ट का साक्षात्कार (पन्ना 98-100)
- लघुकथा संबंधी वेबसाईट, लघुकहानीकारों की ब्लॉग आदि के द्वारा लघुकथाओं की ई-वेर्शन का वाचन।

  (सहायक सामग्रीः *www.laghukatha.com; www.kathaakaarssahni.blogspot.in)*

मधुऋतु

अधिगम उपलब्धियाँ

1.4 छायावादी कविता की शैली एवं प्रवृत्तियाँ पहचानकर विशेषताएँ सूचीबद्ध करता है।

1.5 छायावादी कविता का आस्वादन करके टिप्पणी लिखता है।

1.6 कविता का भावानुकूल वाचन करता है।

1.7 सौंदर्यानुभूति प्राप्त करता है।

आशय / धारणा

- छायावादी कविताओं की अपनी शैली एवं प्रवृत्तियाँ हैं।
- छायावादी कविताओं की कुछ भावगत विशेषताएँ हैं।
- भावानुकूल वाचन से सौंदर्यानुभूति बढ़ती है।

समय : 4 घंटे

सामग्री : वीडियो

गतिविधि / प्रक्रिया

प्रवेश कार्य

- प्रेम एवं प्रकृति संबंधी फिल्मी गीत का वीडियो दृश्य दिखाएँ। जैसे, 'बहारो फूल बरसाओ, मेरा मेहबूब आया है (फ़िल्म : सूरज)
- छात्रों से ये प्रश्न पूछें–
  - इस गीत में नायक और नायिका का कौन-सा मनोभाव प्रकट होता है?
  - प्रणय को किसके माध्यम से दिखाया है?
  - प्रकृति के किन-किन दृश्यों का चित्रण हुआ है?
  - ये दृश्य किसके प्रतीक हैं?
- छात्र प्रतिक्रिया करें।

अध्यापिका द्वारा संक्षिप्तीकरण

प्रेम और प्रकृति का अटूट संबंध है। वर्षा, वसंत, फूल, खुशबू, चंद्रमा आदि प्रेमियों के मन को प्रभावित करता है, मोहक और मादक बनाता है।

सूचनात्मक वाचन :

- छात्र कविता का वाचन करें।
- छात्र पन्ना 31 की सहायता से अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ें।
- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें।
  - कौन आ गई है?
  - प्रेमी नई व्यथा-साथिन के लिए क्या करना चाहता है?
  - प्रेम का नीड़ कहाँ स्थित है?
  - जंगल के पतझड़ में किसको भाग जाना है?
  - वसंत के आगमन से प्रेमी के मन में किसका अंकुर झूलने लगता है?
  - मलयानिल की लहरें कैसे आती हैं?
  - प्रेमिका के कमल-नयनों को कौन चूमता है?
  - लाल कुसुम के समान उषा कहाँ खिलेगी?
  - अंधकार के सागर को पारकर कौन आता है?
  - रात में हिमकणों को कौन छिड़कता है?
  - प्रेमयुग्मों को आपस में क्या दे देना है?

(प्रतिक्रियाओं के आधार पर अध्यापिका का निर्धारण)

- निम्नलिखित शब्द बोर्ड पर लिखें। (पन्ना 14)
  वसंत, मौसम, भूमि, आकाश, जंगल, शिशिर, कली, किसलय, मलयसमीर, आँख, कमल, प्रभात, पूरब, समुद्र, चांद, रात।
- छात्र उपर्युक्त शब्दों के लिए कविता में आए शब्द छाँटकर लिखें।

(सही शब्दों के चयन पर स्वनिर्धारण)

विश्लेषणात्मक वाचन

- निम्नलिखित प्रश्न पूछें–
  - मधुऋतु रूपी प्रेमिका क्यों भूली-भटकी-सी आई है?

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

प्रेमिका के मन में प्रेमी के प्रति तीव्र अनुराग है। कोई भी प्रेमिका अपनी प्रणय - भावना खुल्लम-खुल्ला प्रकट करना नहीं चाहती। दिल में प्रणय छिपाकर वह भूली-भटकी-सी आ रही है।

- प्रश्नों के द्‌वारा चर्चा चलाएँ–
  - वसंत के आगमन पर कौन-सी ऋतु चली जाती है?
  - पतझड़ / शिशिर की क्या-क्या विशेषताएँ हैं?
  - वसंत की विशेषताएँ क्या-क्या हैं?
  - यहाँ वसंत किन-किन का प्रतीक हो सकता है?
  - अगर वसंत प्रेम और आशा का प्रतीक है तो पतझड़ किन-किनका प्रतीक हो सकता है?
  - **तो 'भागो सूखे तिनको' से क्या तात्पर्य है?**

वसंत ऋतु में पतझड़ के सूखे तिनकों-पत्तों का कोई स्थान नहीं होता, ठीक उसी प्रकार प्रणयातुर दिल में दुख और निराशा का भी कोई स्थान नहीं।
प्रणयहीन दिलों को प्रणय की दुनिया में कोई जगह नहीं है।

- प्रश्नों के द्‌वारा चर्चा चलाएँ–
  - वसंत ऋतु में प्रकृति को मोहक बनानेवाले अंग कौन-कौन-से हैं?
  - आप इनमें किसको अधिक खूबसूरत मानते हैं?
  - क्या इनमें एक के अभाव में यह सुंदरता पूर्ण होगी?
  - तो, इस सुंदरता में हर अंग की अपनी भूमिका है न?
  - **तो 'मेरे किसलय का लघुभव' से क्या तात्पर्य है?**

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

वसंत ऋतु में प्रकृति को खूबसूरती प्रदान करने में अंकुर, किसलय, कलियाँ, फूल, पत्ते, तितली, भ्रमर, कोयल, मंदपवन सबकी अपनी-अपनी भूमिका है। किसी एक के बिना प्रकृति की सुंदरता अधूरी रह जाती है। उस सुंदरता में किसलय भी अपना एक छोटा संसार रचता है।

प्रणय में प्रेमी-प्रेमिका के हर भाव – यादें, इंतज़ार, कटाक्ष, मुसकान, चाल... – प्रणय की तीव्रता को बढ़ाती है। यही अनुभूति प्रणय के प्राण है।

- प्रश्नों की सहायता से चर्चा चलाएँ–
  - उषा कहाँ उदित होती है?
  - उदय के समय आसमान में कौन-सा रंग फैल जाता है?
  - उषा का आगमन कैसा है?
  - **उषा शब्द किन-किन की ओर इशारा करता है?**

(प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

प्राची में आनेवाली उषा प्रकाश-किरण के रूप में प्रकृति में लालिमा लेकर आती है।
कवि की रागात्मक दुनिया में आनेवाली उषा प्रेमिका के रूप में जीवन में सौंदर्य की लालिमा लेकर आती है।

- निम्नलिखित पंक्तियों का आशय व्यक्त करें। (पन्ना संख्या 14)

  इस एकांत सृजन में कोई
  कुछ बाधा मत डालो
  जो कुछ अपने सुंदर से हैं
  दे देने दो इनको।
- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें।
  - एकांत में कौन बैठे हैं?
  - 'कुछ बाधा मत डालो', कवि क्यों ऐसा कहता है?
  - सृजन का सौंदर्य कैसे पूर्ण होता है?

(प्रतिक्रियाओं के आधार पर अध्यापिका का निर्धारण)

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

वसंतकाल अपनी संपूर्ण भंगिमा के साथ पूरे प्रकृति में छा रहा है। इस एकांत सृजन कार्य में किसी भी प्रकार की बाधा नहीं होनी चाहिए। वसंतकाल में वसंत और प्रकृति अपनी सुंदरतम चीज़ों को बिना माँगे आपस में समर्पित करते हैं। यही समर्पण सृजन के सौंदर्य का रास होता है।

प्रेमिका अपने संपूर्ण रूप सौंदर्य से युक्त होकर प्रेमी के जीवन में छा रही है। प्रेमी-प्रेमिका के मिलन और प्रणय-सृजन के अपूर्व एवं मोहमयी वेला में किसी भी प्रकार की बाधा नहीं होनी चाहिए। प्रेम के इस चरमोत्कर्ष क्षणों में प्रेमी-प्रेमिका का द्वैतभाव समाप्त हो जाता है और दोनों एकाकार हो जाते हैं। सृजन के वे क्षण सृष्टि के सुंदरतम सौंदर्य की वेला भी हैं।

- निम्नलिखित छायावादी प्रवृत्तियों को सूचित करनेवाली पंक्तियाँ कविता से छाँटकर लिखें। (पन्ना संख्या 14)

प्रकृति चित्रण

जैसे : वसुधा नीचे ऊपर नभ हो
अंतरीक्ष छिड़केगा कन कन
.....
.....

मानवीकरण

जैसे : पल्लव पुलकित होगा।
सिहर भरी कँपती आवेगी
.....
.....

सौंदर्य वर्णन

जैसे : जवा कुसुम सी उषा खिलेगी
हँसी भरे उस अरुण अधर का
.....
.....

प्रेमानुभूति

जैसे : पल्लव पुलकित होगा
चुंबन लेकर और जगाकर
.....
.....

- ओडियो/वीडियो द्‌वारा कविता की प्रस्तुति
- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें:
  - यह कविता किसकी है?
  - यह किस काल के अंतर्गत आनेवाली कविता है?
  - इस काव्यधारा की विशेषताएँ क्या-क्या हैं?
  - इस कविता का आशय क्या है?
  - क्या छायावाद की विशेषताएँ इस कविता में आई हैं?
  - इस कविता की भाषापरक विशेषता क्या है?

अध्यापिका की अधिक जानकारी के लिए

आस्वादन टिप्पणी कविता का पूरा वाचन-मनन के बाद दी जानेवाली पाठक की टिप्पणी होती है। इसमें कविता तक पहुँचने में सहायक कवि का परिचय जोड़ा जाता है। फिर कविता सृजन का समय तथा उस समय की काव्यगत विशेषताओं के आधार पर कविता का विश्लेषण होता है। फिर पाठक तत्कालीन समय, भाषा और कविता में प्रयुक्त सूचकों के आधार पर कविता के आंतरिक सौंदर्य को देखने की कोशिश करता है।

- छात्र आस्वादन टिप्पणी लिखें। (ग्रूपकार्य)

(सूचकों के आधार पर स्वनिर्धारण - पन्ना संख्या 14)

- स्वनिर्धारण के बाद वैयक्तिक रूप से टिप्पणी का पुनर्लेखन।
- छात्र द्‌वारा कविता का आलाप।

(निम्नलिखित सूचकों के आधार पर अध्यापिका का निर्धारण)

• भावानुकूल प्रस्तुति • उचित ताल-लय • सटीक शब्द-विन्यास

प्रकृति और मानवीय अनुभूतियों में बिंब-प्रतिबिंब भाव है। छायवादी कवियों ने इस सत्य को गहरे में समझा था। इसलिए उनकी कविताओं में प्रकृति और मनुष्य एक ही जगह में उपस्थित हैं।

कविता में ऋतुरूपी प्रेमिका अपने तीव्रअनुराग को मन में छिपाई आ गई। प्रियतम तो अपनी साथिन के लिए कुटी सजाकर स्वागत कर रहा है। अर्थात् प्रेम एक ओर पलनेवाला भाव नही है। प्रेम में दोनों की प्रेममय उपस्थिति समान महत्व रखता है।

सच्चा प्रेम न तो पार्थिव होता है न आसमानी। अर्थात प्रेम के उदित हो जाने पर प्रेमी-प्रेमिका के मन अपने व्यक्तिगत सुख-दुखों को छोड़कर एक दूसरे के साथ त्यागी बन जाते हैं। जिस प्रकार वसंत का आगमन नए-नए कोंपलों से होता है जहाँ सुखे तिनकों का कोई स्थान नहीं होता, उसी प्रकार प्रणयी हृदय में निराशा के लिए कोई स्थान नहीं है।

वसंत को सुंदर बनाने में पल्लव, कलियाँ, फूल, तितली, कोयल, पवन जैसे हर अंग की अपनी महत्वपूर्ण भूमिका है, ठीक वैसे ही प्रणयानुभूति में प्रेमी -प्रेमिका की हर चेष्टा और हर भाव अपना अलग महत्व रखता है, प्रणय की तीव्रता को बढ़ाता है।

वसंत में उन्मत्त कलियों को मलयानिल की लहरें जिस प्रकार सहला-सहलाकर हिलाती हैं उसी प्रकार प्रणयातुर नायिका के मन रूपी नेत्रों को नायक का सामीप्य खिला देता है। अर्थात् प्रेम में आंतरिक विकास होता है। वसंतप्राची में लाल फूल के समान उषा जिस प्रकार खिलेगी, उसी प्रकार प्रेमी -प्रेमिका की रागात्मक दुनिया में सौंदर्य की लालिमा फैलती रहेगी। जिस प्रकार रात में अंधेरे को चीरकर शशि-किरणें प्रकाश फैलाती हैं और उस खुशी में अंतरिक्ष तुहिनकणों को छिड़कता है, ठीक उसी प्रकार प्रेमी-प्रेमिका का सामीप्य दुख के अंधकार को चीरकर उन्माद का प्रकाश फैलाने लगता है। प्रणय समय-सीमा से परे होता है।

जिस एकांत में वसंत और प्रकृति अपनी अतिशय उन्मत्तता तथा अनुराग से भरकर आपस में पूर्ण समर्पित होने लगते हैं वैसे ही प्रेम की उन्मत्त एकांत घडियों में प्रेमी-प्रेमिका का संपूर्ण मिलन और विकास होता है। सृजन के उन अनमोल क्षणों में उन्हें बाधारहित एकांत में खिलने देना है।

यह हमारा अधिकार है...

अधिगम उपलब्धियाँ

1.8 सूचना का अधिकार अधिनियम की अवधारणा पाकर पत्र तैयार करता है।

1.9 नागरिक का दायित्व निभाता है।

आशय / धारणा

- सूचना का अधिकार अधिनियम भारत के लोकतांत्रिक व्यवस्था में हर नागरिक का अधिकार है।
- जनतंत्र को सशक्त बनाने के लिए सूचना का अधिकार अधिनियम का फायदा उठाना हर नागरिक का कर्तव्य है।

समय : 5 घंटे

सामग्री : वीडियो

गतिविधि / प्रक्रिया

प्रवेश कार्य

- सूचना का अधिकार अधिनियम संबंधी वीड़ियो का प्रदर्शन। प्रोफाइल पन्ने का ओडियो सुनाएँ।
- अध्यापिका द्वारा कोलाज/बालश्रम से संबंधी वीडियो का प्रदर्शन।
- निम्नांकित सूचकों के आधार पर चर्चा।
  - कोलाज/वीड़ियो की विषयवस्तु
  - विषयवस्तु पर अपना विचार
  - कोलाज/वीटियो देखकर आपको क्या लगता है?

(प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

- कोलाज के लिए छात्र उचित पादटिप्पणी लिखें और प्रस्तुत करें।

(निम्नलिखित सूचकों के आधार पर पादटिप्पणी का स्वनिर्धारण।)

- लक्ष्यार्थ पर केंद्रित है।
- समूचे भाव को आत्मसात किया है।
- प्रभावशाली है।

- छात्र सूचना का अधिकार अधिनियम पत्र का वाचन वैयक्तिक रूप से करें।
- अध्यापिका प्रश्न पूछें।
  - पत्र कौन भेज रही है?
  - किसके नाम पर भेज रही है?
  - सूचना का विषय क्या है?
  - सूचना का विवरण किस प्रकार माँगा है? (प्रश्नों के द्वारा)

सूचना का अधिकार अधिनियम का विवरण प्रश्नों के ज़रिए माँगना है।

  - विवरण पाने के लिए प्रयुक्त वाक्य किस प्रकार के हैं?
- छात्र प्रश्न 1 पढ़ें।
- अध्यापिका पूछें।
  - प्रश्न 1 से किस प्रकार की जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं?

बालश्रम संबंधी वैधानिक (नियमपरक) बातें।

- छात्र प्रश्न 2 पढ़ें।
- अध्यापिका पूछें।
  - प्रश्न 2 से किस प्रकार की जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं?

बालश्रम संबंधी वैधानिक (नियमपरक) बातें लागू करने की कार्रवाइयाँ।

- छात्र प्रश्न 3 पढ़ें।
- अध्यापिका पूछें।
  - प्रश्न 3 से किस प्रकार की जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं?

कार्रवाइयाँ सही ढंग से न चलाए जाने पर किसको सुचना दें / नियम का उल्लंघन करनेवाले को प्राप्त दंड

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

आम जनता न्याय से वंचित होने पर उसके समाधान की राह है सूचना का अधिकार अधिनियम। इस नियम के अंतर्गत पत्र-व्यवहार करते समय इन प्रश्नों का सहारा ले सकते हैं- समस्या संबंधी कानूनी बातें, उन बातों को लागू करने में सरकार द्वारा की जानेवाली कार्रवाइयाँ तथा कानूनी उल्लंघन होने पर एक सच्चे नागरिक के नाते उसकी सूचना किसको किसप्रकार दी जाय।

पाठकनामा

अखबार में छपे समाचार, रपट, फीचर, संपादकीय आदि के संबंध में या किसी सामाजिक विषय पर पाठक अपना मत प्रकट करने के लिए समाचार पत्र के संपादक के नाम जो पत्र लिखता है, वही पाठकनामा है। पाठकनामा प्रकाशित करने के लिए समाचार पत्रों में खास जगह होती है। वह समाचार या सामाजिक विषयों पर पाठक की प्रतिक्रिया है।

- छात्र पाठकनामा का वाचन करें -
- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें -
  - पाठकनामा का मुख्य विषय क्या है?
- विषय के आधार पर सूचना का अधिकार अधिनियम के लिए युक्त प्रश्नों को तैयार करें। (ग्रूप कार्य)
- प्रश्नों की प्रस्तुति

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

स्कूली छात्रों के परिवहन (यात्रा) संबंधी कानूनी अधिकार क्या-क्या हैं?
छात्रों के परिवहन अधिकार को लागू करने के लिए परिवहन-मंत्रालय द्वारा कौन-कौन सी कार्रवाइयाँ ली गई हैं?
चिट्टारिपरंब में छात्रों की समस्या दूर करने के लिए कौन-कौन से कार्य किए गए हैं?

- पाठकनामा में प्रयुक्त विषय के आधार पर सूचना का अधिकार अधिनियम पत्र की तैयारी।
- सूचना का अधिकार अधिनियम संबंधी कविता की प्रस्तुति (छात्रों द्वारा/वीडियो द्वारा)

(पन्ना संख्या 102 - 103)

सार्वजनिक समस्याओं से संबंधित विषयों पर ही सूचना अधिकार पत्र तैयार करने के प्रश्न पूछे जाएँगे। सूचना अधिकार पत्र पाठ्यपुस्तक की रूपरेखा में लिख सकता है, साथ ही यहाँ दी गई रूपरेखा में भी।

प्रेषक

दस रुपए

हरिता. एम

हरितम, शांति नगर

तिरुवनंतपुरम

सेवा में

सार्वजनिक सूचना अधिकारी

रोज़गार मंत्रालय, भारत सरकार

नई दिल्ली

महोदय,

विषय : बालश्रम को रोकने की कार्रवाइयों से संबंधित।

संदर्भ : सूचना का अधिकार अधिनियम 2005

1) क्या भारत में बालश्रम पर कानूनी रोक है? समाज को सचेत करने के लिए कौन-कौन-से प्रावधान हैं?

2) रोज़गार जगहों में सूचना पट लगवाने की कौन-कौन सी कार्रवाइयाँ ली गई हैं?

3) बालश्रम के बारे में पता चलने पर किस कार्यालय में सूचना देनी है? उस कार्यालय का दूरभाष उपलब्ध करा सकते हैं? बालश्रम को प्रेरित करनेवालों को मिलनेवाला अधिकतम दंड क्या है?

भवदीय

तिरुवनंतपुरम (हस्ताक्षर)

10-07-2014 हरिता. एम

प्रेषक

के. राजेशकुमार

सदस्य, अध्यापक अभिभावक संघ

सरकारी उच्च माध्यमिक स्कूल

चिट्टारिपरंब, कण्णूर।

सेवा में

सार्वजनिक सूचना अधिकारी

सड़क परिवहन कार्यालय

कण्णूर ।

महोदय,

विषय : सरकारी उच्च माध्यमिक स्कूल, चिट्टरिपरंब के छात्रों की परिवहन की कार्रवाइयों की सूचना प्राप्त करने से संबंधित

संदर्भ : सूचना का अधिकार अधिनियम 2005

1) स्कूली छात्रों के परिवहन संबंधी कानूनी अधिकार क्या-क्या हैं?

2) छात्रों के परिवहन अधिकार को लागू करने के लिए परिवहन-मंत्रालय द्वारा कौन-कौन-सी कार्रवाइयाँ ली गई हैं?

3) चिट्टारिपरंब में छात्रों की समस्या दूर करने के लिए कौन-कौन से कार्य किए गए हैं?

भवदीय

कण्णूर (हस्ताक्षर)

10-8-2014 के. राजेशकुमार

जुलूस

अधिगम उपलब्धियाँ

1.10 नाट्य रूपांतर की शैली पहचानकर प्रसंगानुकूल वाचन करता है।

1.11 नाट्य रूपांतर का विश्लेषण करके पात्रों के चरित्र पर टिप्पणी लिखता है।

1.12 नाटक का मंचन करता है।

1.13 देशप्रेम का आदर्श अपनाता है।

आशय/धारणा

- कहानियों का नाट्य रूपांतरण संभव है।
- नाट्य रूपांतरण की अपनी विशेष शैली है।
- नाटक में प्रत्येक पात्र की अपनी भूमिका है।
- अभिनय एक सृजनात्मक अभिव्यक्ति है।
- समस्याओं का नाटकीय प्रस्तुतीकरण सामाजिक परिवर्तन का साधन है।

समय : 5 घंटे

सामग्री : वीडियो, चित्र (2)

गतिविधि / प्रक्रिया

प्रवेश कार्य

- स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित चित्र/वीडियो की प्रस्तुति
- प्रश्नों के ज़रिए चर्चा

जैसे :
- ये चित्र/वीडियो किस प्रसंग से संबंधित हैं?
- कुछ स्वतंत्रता संग्रामी सेनानियों का नाम बताएँ।
- इनमें आपको सबसे अधिक प्रभावित करनेवाला कौन है?
- ऐसे महान लोगों की जानकारी आपको कैसे मिली?
- स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित कोई रचना आपने पढ़ी है?

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित कई रचनाएँ हिंदी में है। ऐसी एक कहानी है कहानी सम्राट प्रेमचंद का जुलूस। इस कहानी को चित्रा मुद्गल ने नाटक के रूप में लिखा है। उन्होंने कहानी का नाट्य रूपांतरण किया है।

वाचन प्रक्रिया - सूचनात्मक वाचन

- छात्र पहले दृश्य का वैयक्तिक वाचन करें।
- छात्र अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ लें।
- निम्नांकित शब्दों के समानार्थी शब्द नाटक में ढूँढ़ें।
  (जनयात्रा, विरुद्ध, विक्रय, शासक, चिंता, निर्दय)

जैसे : जनयात्रा - जुलूस

- छात्रों की प्रस्तुति।

(समानार्थी शब्दों के चयन पर स्वनिर्धारण)

- पहले दृश्य में निम्नलिखित अर्थ को सूचित करने के लिए किन-किन मुहावरों का सहारा लिया है?
  - सरकार पर बड़े आदमियों का बोलबाला है।
  - गाँधीजी देश के लिए मरने तक को तैयार होते थे।
  - पुलीस को देखने पर स्वराजी डरकर भागेंगे।

(धाक बैठ जाना, जान हथेली पर लेना, दुम दबाकर भागना।)

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

प्रेमचंद अपनी कहानियों में मुहावरेदार भाषा का प्रयोग करते थे जो ग्रामीण बातचीत की जान है।

विश्लेषणात्मक वाचन

- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें :
  - पहले दीनदयाल दुकान बंद कर जुलूस में भाग लेने का निश्चय नहीं करता है, क्यों?
  - मैकू क्यों हंस रहा है?
  - मैकू की नज़र में बड़ा आदमी कौन है? क्यों?

(छात्रों की प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

- छात्र हाव-भाव से पात्रानुकूल मौखिक वाचन करें।

दूसरा दृश्य-सूचनात्मक वाचन

- छात्र दूसरे दृश्य के अपरिचित शब्दों को रेखांकित करें और अर्थ ढूँढ़ निकालें।
- निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द नाटक में से ढूँढ़ लें।

(आज्ञा, वाणी, प्रकार, लक्ष्य, पालन, इच्छा, केवल, देश, हानि, विषाद, सहन)

विश्लेषणात्मक वाचन

- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें :
  - स्वराजियों का मकसद क्या है?
  - भाईबंद किसके हुक्म को साफ इनकार करेंगे? क्यों?
  - स्वराजी क्यों दारोगा को अंग्रेज़ों का पिट्ठू कहते हैं?

(प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

- छात्र अनुतान एवं बल देकर मौखिक रूप से वाचन करें।

दृश्य तीन और चार - सूचनात्मक वाचन

- छात्र तीसरे और चौथे दृश्य का वैयक्तिक वाचन करें।
- छात्र अपरिचित शब्दों को रेखांकित करें और उनका अर्थ ढूँढ़ लें।
- निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द ढूँढ़कर लिखें और प्रस्तुत करें।

(घायल, अंत, पास, धीरे, कुशल, ओजपूर्ण)

(समानार्थी शब्दों पर छात्रों का स्वनिर्धारण)

विश्लेषणात्मक वाचन

- अध्यापिका यह प्रश्न पूछें।
  - 'मैं कैसे अपनी दुकान खुली रख सकता हूँ?' - यहाँ लोगों की मनोवृत्ति में कौन-सा परिवर्तन आया है?

(प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

- अध्यापिका ये कथन प्रस्तुत करें। (पन्ना संख्या 29)
  - हमें किसीसे लड़ाई करने की ज़रूरत नहीं।
  - हमारा हुक्म क्या आपको सुनाई नहीं पड़ा?
  - जुलूस निकालने से स्वराज मिल जाता तो कब का मिल गया होता।
  - हमारा बड़ा आदमी तो वही है, जो लंगोटी बाँधे नंगे पाँव घूमता है।
  - एक दिन तो मरना ही है, जो कुछ होना है हो।
  - मर तो हम लोग रहे, जिनकी रोटियों का ठिकाना नहीं।
  - हमारा मकसद इससे कहीं ऊँचा है।
- वैयक्तिक रूप से छात्र लिखें और प्रस्तुत करें कि कथन किस पात्र का है?

(पात्रों के चयन पर आपसी निर्धारण)

- शंभूनाथ के निम्नलिखित किस कथन से स्पष्ट होता है कि वह देशभक्त है?
  - देख रहे हैं न दीनदयाल जी! सबके सब काल के मुँह में जा रहे हैं। स्वराज लाने चले हैं आगे पुलिस सवारों का दल खड़ा हुआ है, मार-मार कर भगा देगा।
  - तू अपनी चट्टियाँ और चपलें बेच मैकू, ठिठया काहे रहा? लगता है आज बिक्री अच्छी हो गई?
  - तुम यह सब बातें क्या समझोगे मैकू! जिस काम में चार बड़े आदमी अगुआ होते हैं... सरकार पर भी उसकी धाक बैठ जाती है। लौंड़े-लफ़ंगों का ग़ोल भला हाकिमों की निगाह में क्या जँचेगा?
  - विरोध में पूरा बाज़ार बंद हो रहा...मैं कैसे अपनी दुकान खुली रख सकता हूँ? एक दिन तो मरना ही है, जो कुछ होना है हो... आखिर वे लोग, सभी के लिए तो जान दे रहे हैं!

(छात्र की प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

- अध्यापिका ये कथन प्रस्तुत करें।
  - हम दूकानें लूटने या मोटरें तोड़ने नहीं निकले हैं।
  - आप अपने संवारों, संगीनों और बंदूकों के ज़ोर से हमें रोकना चाहते हैं - रोक लीजिए। मगर आप हमें लौटा नहीं सकते।
  - हमारे भाईबंद ऐसे हुक्मों की तामील करने से साफ़ इनकार कर देंगे।
  - जिस दिन हम इस लक्ष्य पर पहुँच जाएँगे, उसी दिन स्वराज्य सूर्य का उदय होगा।
- छात्र ग्रूप में चर्चा करें कि हर कथन इब्राहीम अली के चरित्र की कौन-कौन सी विशेषता का सूचक है।

(ग्रूप में छात्रों की भागीदारी पर अध्यापिका का निर्धारण।) (ग्रूपों की प्रस्तुति के समय ग्रूपों की उपज पर आपसी निर्धारण।)

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

नाटक में पात्रों के संवाद मुख्य होते हैं। संवादों से पात्रों के चरित्र की विशेषताओं को पहचान सकते हैं।

- उपर्युक्त मनोभावों के आधार पर इब्राहिम अली के चरित्र पर टिप्पणी करें। (वैयक्तिक रूप से)

  (छात्र निम्नलिखित सूचकों के आधार पर टिप्पणी का स्वनिर्धारण करें।)

  - चरित्र पर प्रकाश डालनेवाले संवादों का विश्लेषण किया है।
  - चरित्र की विशेषता समझी है।
  - विशेषताओं के आधार पर टिप्पणी लिखी है।
  - चरित्र की विशेषताओं का समर्थन अपने दृष्टिकोण से किया है।
- छात्र टिप्पणी प्रस्तुत करें।
- अध्यापिका प्रश्नों द्वारा आशयपरक संशोधन करें।
- अध्यापिका टीचर वेर्शन प्रस्तुत करें।

कथनों का विश्लेषण करने से पता चलता है कि इब्राहीम अली देशभक्त हैं। वे अहिंसावादी हैं, परंतु डरपोक नहीं हैं। पुलीस के रोकने पर भी वे लौटने को तैयार नहीं होते। जुलूस के साथियों पर इब्राहीम अली को पूरा भरोसा है। वे बड़े आत्मविश्वास रखनेवाले हैं। उनका विश्वास है एक दिन वे लक्ष्य पर पहुँच जाएँगे।

- संशोधन के बाद छात्र टिप्पणी का पुनर्लेखन करें ।
- अध्यापिका 'जुलूस' का मंचन करने का निर्देश दें।

(मंचन के पहले पुस्तिका के पन्ना 30 की गतिविधियों से गुज़रें।)

तैयारी के बाद मंचन दो प्रकार से हो सकता है-

पहला, कैसेट द्वारा संवाद सुनाकर उसके अनुरूप छात्र अभिनय करें।

दूसरा, छात्र खुद अभिनय के साथ संवाद भी सुनाएँ।

इकाई निर्धारण

जैसेः

- निम्नलिखित कवितांश पढ़ें और प्रश्नों के उत्तर लिखें।

  अरे आ गई है भूली-सी
  यह मधु-ऋतु दो दिन को,
  छोटी-सी कुटिया मैं रच दूँ,
  नई व्यथा-साथिन को।

  वसुधा नीचे ऊपर जभ हो,
  नीड़ अलग सबसे हो,
  झाड़खंड के चिर पतझड़ में
  भागो सूखे तिनको।

  - पतझड़ का समानार्थी शब्द लिखें (शिशिर, वसंत, हेमंत)
  - 'सूखे तिनको' से क्या तात्पर्य है? (आशा, प्रेम, निराशा)
  - प्रेमी अपनी साथिन के लिए क्या करना चाहता है?
  - कवितांश की आस्वादन-टिप्पणी लिखें।
- यात्री असलम की मृत्यु की खबर अपनी पत्नी को सुनाता है। दोनों के बीच की बातचीत लिखें ।
- 'जुलूस' नाटक के आधार पर मैकू के चरित्र पर टिप्पणी लिखें।

ये सुर्खियाँ पढ़ें ।

दहेज कम होने पर दुल्हे ने शादी से इनकार कर दिया।

दहेज माँगा; युवक की गिरफ्तारी

दहेज के विरोध में महिलाओं का जुलूस

- सार्वजनिक सूचना अधिकारी, समाज कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली के नाम दहेजप्रथा पर कानूनी रोक के संबंध में सूचना पाने के लिए मनीषा परवीण, रागविहार, तिरुवनंतपुरम सूचना का अधिकार पत्र तैयार करती है। वह पत्र तैयार करें।

इकाई 2

दूसरी इकाई का शीर्षक है **चाँद-सितारे**। इस इकाई के पहले पाठ में कबीरदास के पाँच नीतिपरक दोहे संकलित हैं। ये दोहे मनुष्य को सज्जन बनने की प्रेरणा देनेवाले हैं। सिनेमा आज की कलाओं में सर्वाधिक लोकप्रिय है। इस इकाई के दूसरे पाठ 'ब्लैकः स्पर्श जहाँ भाषा बनता है' के ज़रिए अध्येता यह जानकारी हासिल करेगा कि फिल्म की समीक्षा कैसे की जाती है। 'आपकी आवाज़' शीर्षक पाठ से पत्र-पत्रिकाओं के संपादकीय की विशेषताओं का सामान्य परिचय प्राप्त होता है। समाचार पत्र के संपादकीय के कौन-कौन-से घटक हैं? उसका शीर्षक कैसे दिया जाता है जैसे मुद्दों से परिचित होने के साथ साथ संपादकीय तैयार करने की विधि का भी सामान्य ज्ञान अध्येता प्राप्त करता है। इस इकाई का अंतिम पाठ राष्ट्रीय कवि दिनकर की प्रगतिशील कविता 'चाँद और कवि' है। दिनकर की राय में कवि मात्र स्वप्न जीव नहीं है। वे अपने सपनों को मथकर उन्हें लौह विचारों में बदल देते हैं। इन्हीं के ज़रिए नव-समाज के निर्माण की नींव डाली जाती है। कविता, पाठकों को सपना देखने और उन्हें सच में बदलने की प्रेरणा देती है।

कबीर के दोहे

मूल्य एवं मनोभाव : नैतिक बन जाता है। **समय : 2 घंटे**

आशय/धारणा	गतिविधियाँ एवं निर्धारण	अधिगम उपलब्धियाँ
• कबीरदास निर्गुण भक्तिकाल के प्रमुख संत कवि हैं। • कबीरदास के दोहे प्रासंगिक हैं।	प्रवेश कार्य ▸ वाचन प्रक्रिया (स्वनिर्धारण) ▸ समानार्थी शब्द ढूँढ़ना (स्वनिर्धारण) ▸ पंक्तियों का चयन (आपसी निर्धारण) ▸ विश्लेषणात्मक प्रश्नों के ज़रिए चर्चा। (प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण) ▸ दोहों का वर्गीकरण (आपसी निर्धारण) ▸ दोहों की व्याख्या (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ टिप्पणी-लेखन (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ ओडियो/वीडियो की प्रस्तुति। ▸ दोहों का संकलन (आपसी निर्धारण) ▸ दोहों का वाचन (अध्यापिका का निर्धारण)	• मध्यकालीन संत कवि कबीरदास के दोहों की विशेषताओं पर चर्चा करके टिप्पणी लिखता है। • कबीरदास के दोहों का आस्वादन करके टिप्पणी लिखता है। • कबीरदास के दोहों की प्रासंगिकता पहचानकर दोहों का संकलन करता है। • दोहों का आलाप करता है।

ब्लैक : स्पर्श जहाँ भाषा बनता है...

मूल्य एवं मनोभाव : सहजीवों से संवेदनशील बनता है। **समय : 6 घंटे**

आशय/धारणा	गतिविधियाँ एवं निर्धारण	अधिगम उपलब्धियाँ
• फिल्म में विभिन्न कलाओं का मिश्रण है। • विशेष सूचकों के आधार पर फिल्म की समीक्षा करनी है।	▸ प्रवेश कार्य ▸ ब्लैक फिल्म का प्रदर्शन। ▸ सूचकों के आधार पर टिप्पणी लेखन (आपसी निर्धारण) ▸ फिल्म के अंगों पर चर्चा। (स्वनिर्धारण) ▸ समीक्षा की वाचन प्रक्रिया। (आपसी निर्धारण) ▸ विश्लेषणात्मक प्रश्नों के ज़रिए चर्चा (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ अन्य फिल्म का प्रदर्शन। ▸ फिल्म का समीक्षा-लेखन (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ अनुशीर्षक लेखन (आपसी निर्धारण) ▸ मनपसंद फिल्म का समीक्षा-लेखन (अध्यापिका का निर्धारण)	• फिल्म देखकर मुद्दों के आधार पर फिल्म की विशेषताएँ परखता है। • फिल्म समीक्षा पर चर्चा करके समीक्षा के सूचकों को पहचानता है। • सूचकों के आधार पर फिल्म समीक्षा लिखता है।

आपकी आवाज़

मूल्य एवं मनोभाव : सामाजिक समस्याओं पर प्रतिक्रिया करनी है।

समय : 5 घंटे

आशय/धारणा	गतिविधियाँ एवं निर्धारण	अधिगम उपलब्धियाँ
• समस्याओं पर प्रतिक्रिया प्रकट करने का सशक्त माध्यम है संपादकीय। • संपादकीय-लेखन की निजी शैली होती है।	▸ प्रवेश कार्यः ▸ सूचकों के आधार पर एवं परिशिष्ट की सहायता से संपादकीय लेखन पर चर्चा। (आपसी निर्धारण) ▸ 'बढ़ती बीमारियाँ' का वाचन (स्वनिर्धारण) ▸ विश्लेषणात्मक प्रश्नों के ज़रिए चर्चा। (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ सूचकों के आधार पर चर्चा (आपसी निर्धारण) ▸ अलग शीर्षक का चचन (स्वनिर्धारण) ▸ संपादकी य लेखन (अध्यापिका का निर्धारण)	• संपादकीय लेखन पर चर्चा करके संपादकीय की विशेषताएँ प्रस्तुत करता है। • समस्याओं पर प्रतिक्रिया प्रकट करते हुए संपादकीय लिखता है।

चाँद और कवि

मूल्य एवं मनोभाव : सपनों को सच में बदला सकता है। समय : 4 घंटे

आशय/धारणा	गतिविधियाँ एवं निर्धारण	अधिगम उपलब्धियाँ
• रामधारी सिंह दिनकर प्रगतिशील कवि हैं। • कविता के विश्लेषण से आस्वादन संभव है।	▸ प्रवेश कार्य ▸ कविता की वाचन-प्रक्रिया (स्वनिर्धारण) ▸ समान भाववाली पंक्तियों का चयन (आपसी निर्धारण) ▸ विश्लेषणात्मक प्रश्नों के ज़रिए चर्चा (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ विश्लेषणात्मक टिप्पणी-लेखन (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ आस्वादन टिप्पणी लेखन (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ कविता का वाचन (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ कविता की वीडियो की प्रस्तुति ▸ कथन पर विचार लेखन (स्वनिर्धारण)	• प्रगतिशील कविता की प्रवृत्तियों पर चर्चा करके कविता की विश्लेषणात्मक टिप्पणी लिखता है। • कविता का आस्वादन करके टिप्पणी लिखता है।

कबीर के दोहे

अधिगम उपलब्धियाँ

2.1 मध्यकालीन संत कवि कबीरदास के दोहों की विशेषताओं पर चर्चा करके टिप्पणी लिखता है।

2.2 कबीरदास के दोहों का आस्वादन करके टिप्पणी लिखता है।

2.3 कबीरदास के दोहों की प्रासंगिकता पहचानकर दोहों का संकलन करता है।

2.4 दोहों का आलाप करता है।

2.5 नैतिक बन जाता है।

आशय/धारणा :

- कबीरदास निर्गुण भक्तिकाल के प्रमुख संत कवि हैं।
- कबीरदास के दोहे प्रासंगिक हैं।

समय : 2 घंटे

सामग्री :वीडियो

गतिविधि / प्रक्रिया

प्रवेश कार्य

- अध्यापिका प्रश्न पूछें :

जैसे :
- भक्तिकाल के कवियों का नाम बताएँ।
- कबीर हिंदी साहित्य के किस काल के कवि हैं?
- कबीर के बारे में आप क्या जानते हैं?
- कबीर की कविताओं की विशेषता क्या है?

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

कबीर निर्गुण भक्तिकाल के प्रमुख कवि हैं। उनके दोहे बहुत प्रसिद्ध हैं। उनके कुछ दोहों पर हम चर्चा करेंगे ।

- दो -एक छात्र पाठभाग के दोहों का सस्वर वाचन करें।

सूचनात्मक वाचन

- छात्र प्रत्येक दोहे का वैयक्तिक वाचन करें और अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ निकालें।

(शब्दों के चयन पर स्वनिर्धारण)

- अध्यापिका ये प्रश्न करें -
  - यहाँ कबीर किसे ढूँढ़ने चला?
  - अपना दिल खोजने पर कबीर को क्या पता चला?

विश्लेषणात्मक वाचन

- जो दिल खोजौं आपना, मुझ-सा बुरा न कोय - कबीर ने ऐसा क्यों कहा?

(प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

अध्यापिका का संक्षिण्तीकरण

साधारण मनुष्य में भलाई और बुराई का मिश्रण है। परंतु मनुष्य अपनी बुराई को छिपाकर दूसरे की बुराई बताते फिरते हैं। कबीर का मत है अपने को पहचानना सच्चे ज्ञानी का लक्षण है।

सूचनात्मक वाचन

- चींटी के सिर पर क्या है?
- हाथी के सिर पर क्या है?

विश्लेषणात्मक वाचन :

- प्रभुता का महत्व समझाने के लिए कबीर ने किसका सहारा लिया है?

(छात्रों की प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

कबीर की राय है - सादगी से महत्व बढ़ता है और इससे अहं का भाव दूर हो जाता है। छोटी प्राणी होने पर भी चींटी शक्कर लेकर चलती है, बड़ा होने पर भी हाथी को माथे पर धूली धारण करना पड़ता है। (संदर्भ - हाथी धूलि पर नहाता है) अहं दूर होने से महत्व बढ़ता है।

सूचनात्मक वाचन

- लोग कब आश्रय का स्मरण करते हैं?

- लोग कब आश्र्य का स्मरण नहीं करते हैं?

विश्लेषणात्मक वाचन

- दुख काहे होय - इससे क्या तात्पर्य है?

(छात्रों की प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

सुख और दुख जीवन के सत्य हैं। दुख में सब लोग आश्रय की याद करते हैं। तब दुख कम हो जाता है। परंतु सुख आने पर लोग उसी आश्रय को भूल जाते हैं। कबीर की राय में यह कृतघ्नता है।

सूचनात्मक वाचन

- कौन-कौन भक्त नहीं बनता?
- कौन भक्ति कर सकता है?

विश्लेषणात्मक वाचन

- सच्चा शूर कैसे बनता है?

(छात्रों की प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

कामी, क्रोधी और लालची के मन में भक्ति नहीं होती। जाति, वर्ण और कुल के बंधन को तोड़ने की क्षमता जिसमें हैं, वह सच्चा भक्त है। अर्थात समभाव भक्त का लक्षण है।

विश्लेषणात्मक वाचन

- कबीर साई से क्या चाहता है?

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

कबीर का परिवार साधु-संतों का था। वे कहते हैं, मुझे इतना ही दीजिए जिससे मेरा परिवार चला सकें। वे चाहते हैं कि कोई भी भूखा न रहे। अर्थात जीवन की शांति सादगी में है।

- अनुवर्ती कार्य। करें और प्रस्तुत करें।

(सही चयन पर आपसी निर्धारण)

- अनुवर्तो कार्य 2 चलाएँ और प्रस्तुत करें।

  (सही चयन पर आपसी निधरिण)
- अनुवर्ती कार्य 3 करें।

  (अध्यापिका का निधरिण)
- अनुवर्ती कार्य 4 करें।

  (दोहों के चयन पर आपसी निर्धारण)
- अनुवर्तो कार्य 5 कराएँ

  (विचार पर अध्यापिका का निधरिण)
- दो-एक छात्रों द्वारा दोहा-वाचन
- वीडियो/ओडियो द्वारा दोहों की प्रस्तुति।
- अनुवर्ती कार्य 6 करें।
- कबीर के दोहों का संकलन

ब्लैक : स्पर्श जहाँ भाषा बनता है

अधिगम उपलब्धियाँ

2.6 फिल्म देखकर मुद्दों के आधार पर फिल्म की विशेषताएँ परखता है।

2.7 फिल्म समीक्षा पर चर्चा करके समीक्षा के सूचकों को पहचानता है।

2.8 सूचकों के आधार पर फिल्म समीक्षा लिखता है।

2.9 आलोचनात्मक ढंग से फिल्म देखता है।

आशय/धारणा

- फिल्म में विभिन्न कलाओं का मिश्रण है।
- विशेष सूचकों के आधार पर फिल्म की समीक्षा करनी है।

समयः 6 घंटे

सामग्रीः भिन्न क्षमतावालों से संबंधित वीडियो, ब्लैक फिल्म

प्रवेश कार्य

- भिन्न क्षमतावालों से संबंधित वीडियो का प्रदर्शन।
- अध्यापिका प्रश्न पूछें।

  जैसेः वीडियो के पात्र कौन-कौन हैं?

  - उनकी विशेषताएँ क्या-क्या हैं?

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

शारीरिक एवं मानसिक विषमताओं को परास्त करके जीवन की मुख्यधारा में पहुँचे हुए कई व्यक्ति इस दुनिया में हैं। ऐसे एक महान व्यक्ति की अमर कहानी के आधार पर निर्मित एक फिल्म हम देखेंगे।

- अध्यापिका छात्रों को यह निर्देश दें कि निम्नलिखित मुद्दों पर ध्यान देकर फिल्म देखें।

पात्रों का अभिनय-

- हरेक अभिनेता ने किस पात्र की भूमिका निभाई?

- किस अभिनेता का अभिनय आपको सबसे अच्छा लगा?

संवादों की प्रासंगिकता-

- मन पसंद संवाद किसका है?
- संवाद कथा के अनुरूप प्रसंगानुकूल है या नहीं?

दृश्य की विविधता-

- छायांकन-फॉटोग्राफ़ी कैसे लगा?
- दृश्यों का सौंदर्य
- प्रकृति-सौंदर्य का चित्रण
- मनपसंद दृश्य

कथा का प्रवाह

- शुरुआत से लेकर चरमसीमा तक कथानुकूल प्रवाहमयता है या नहीं?
- फिल्म की कथावस्तु हृदयस्पर्शी है या नहीं ?

▸ छात्र फ़िल्म देखने के बाद वैयक्तिक रूप से लिखें -

- सबसे आकर्षक दृश्य
- सबसे श्रेष्ठ अभिनेता
- सबसे हृदयस्पर्शी संवाद
- सबसे दर्दनाक दृश्य

▸ दो-चार छात्र प्रतिक्रिया प्रस्तुत करें और अपने चयन का कारण भी बता दें।

(अपनी-अपनी प्रतिक्रिया पर स्वनिर्धारण)

▸ निम्नांकित अंगों के लिए गुणवत्ता के अनुसार ★ दें।

▸ 'ब्लैकः स्पर्श जहाँ भाषा बनता है की वाचन प्रक्रिया - **सूचनात्मक वाचन।**

▸ छात्र अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ लें।

▸ अध्यापिका ये प्रश्न पूछें -

- ब्लैक फिल्म का निदेशक कौन है ?

- यह फिल्म किनके लिए अर्पित है?
- फिल्म की कहानी क्या है?
- फिल्म की पटकथा किनकी है?
- छायांकन किसका है?
- संपादक कौन है?
- छोटी मिशैल की भूमिका किसने निभाई है?

(प्रतिक्रिया पर छात्रों का आपसी निर्धारण)

विश्लेषणात्मक वाचन

- समीक्षा में किन-किन बिंदुओं पर चर्चा की है?

(प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

• कथा	• संपादन
• पटकथा	• गीत
• संवाद	• पार्श्वसंगीत
• छायांकन	• अभिनेताओं का अभिनय
• ध्वन्यांकन	• निर्देशन

- समीक्षा लेखन के संबध में अधिक जानकारी के लिए परिशिष्ट पन्ना संख्या (109-110) का भी वाचन करा सकते हैं।
- किसी एक फिल्म या षॉर्ट फिल्म का प्रदर्शन

  जैसे : तारे ज़मीनं पर, थ्री इडियट्स।

  फिल्म की समीक्षा लेखन-प्रक्रिया (ग्रूपकार्य)
- संशोधन प्रक्रिया - एक ग्रूप की प्रस्तुति।
- आशयपरक संशोधन प्रक्रिया चलाएँ।
- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें।

- समीक्षा में फिल्म की कथा संक्षेप में दी गई है?
- पटकथा के बारे में सूचना है?
- फिल्म के छायांकन और ध्वन्यांकन के बारे में लिखा है?
- संपादन के बारे में मत प्रकट किया है?
- अभिनेताओं के अभिनय की खूबी के बारे में लिखा है?
- निदेशन की खूबी की सूचना दी है?

(सूचकों के आधार पर समीक्षा का स्वनिर्धारण)

- अनुवर्ती कार्य 3 (अनुशीर्षक लेखन) चलाएँ ।
- ब्लैक फिल्म या अन्य फिल्मों से संबंधित अनुशीर्षक भी लिखवाएँ।
- वैयक्तिक रूप से छात्र किसी एक मनपसंद फिल्म (किसी भी भाषा की फिल्म हो सकता है) की समीक्षा लिखें।

आपकी आवाज़

अधिगम उपलब्धियाँ

2.10 संपादकीय-लेखन पर चर्चा करके संपादकीय की विशेषताएँ प्रस्तुत करता है।

2.11 समस्याओं पर प्रतिक्रिया प्रकट करते हुए संपादकीय लिखता है।

आशय/धारणा

- समस्याओं पर प्रतिक्रिया प्रकट करने का सशक्त माध्यम है संपादकीय।
- संपादकीय-लेखन की निजी शैली होती है।

समय : 5 घंटे

सामग्री : पर्यावरण प्रदूषण का वीडियो/चित्र (3)

गतिविधि/प्रक्रिया

प्रवेश कार्य

- प्रदूषण संबंधी वीडियो/चित्र का प्रदर्शन एवं चर्चा

चर्चा सूचक

- यह वीडियो/चित्र किससे संबंधित है?
- प्रदूषण के दोष क्या-क्या हैं?
- इस समस्या का समाधान कैसे हो?
- यहाँ समाचार पत्र की भूमिका क्या है?
- ऐसी समस्याओं के समाधान के लिए समाचार पत्र क्या-क्या कर सकते हैं?

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

सामाजिक समस्याओं पर हस्तक्षेप करना समाचार पत्रों का दायित्व है। समाचार पत्र की आवाज़ संपादकीय में प्रकट होती है। अमुक विषय पर संपादक एवं समाचार पत्र का दृष्टिकोण संपादकीय द्वारा स्पष्ट होता है।

- 'बढ़ती बीमारियाँ' की वाचन-प्रक्रिया

सूचनात्मक वाचन

- छात्र वाचन करें और अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ लें।
- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें -
  - किस समाचार पत्र का संपादकीय यहाँ दिया गया है?
  - इसमें किन-किन बीमारियों के बढ़ने पर चिंता प्रकट की है?
  - बीमारियों का फैलना किस बात का प्रमाण हैं?
  - बीमारियाँ कैसे जन्म लेती है?
  - मलेरिया का फैलना किसकी लापरवाही की ओर संकेत करनेवाला है?
  - हालत बिगड़ने का क्या कारण है?
  - मलेरिया और डेगु की बीमारियाँ कैसे जन्म लेती हैं?
  - इसे रोकने के लिए सरकार के साथ किन-किन को सहयोग देना पड़ेगा?
  - संपादकीय के लिए कौन-सा शीर्षक दिया गया है?
- चर्चा चलाएँ।

विषयः संपादकीय लेखन कैसे (परिशिष्ट पन्ना सं 110-111 की सहायता लें)

- विषय का चुनाव
- एक चर्चित समकालीन समस्या को चुन लेना।

विषय के ज़रूरी तथ्य

- समस्या से संबंधित आवश्यक जानकारी इक्टठा करना।

समस्या-प्रस्तुति का ढांचा

- बढ़ा-चढ़ाकर कहने के बदले समस्या संक्षिप्त में प्रकट करना।
- समस्या का महत्व एवं प्रधानता स्पष्ट करना।

समर्थन का तरीका

- अपना मत साबित करने योग्य तर्क की प्रस्तुति।
- समस्या के हल का सुझाव।

संपादकीय भाषा

- प्रभावशाली।
- रोचक एवं सरल भाषा।

शीर्षक

- विषयनाकूल एवं आकर्षक शीर्षक देना।

(चर्चा में छात्रों की भागीदारी पर अध्यापिका का निर्धारण)

बढ़ती बीमारियाँ - **विश्लेषणात्मक वाचन**

- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें।
  - संपादकीय में किस समस्या की चर्चा हुई है?
  - समस्या की प्रस्तुति के लिए कौन-कौन-सी जानकारी प्रस्तुत की है?
  - अपना मत साबित करने के लिए कौन-कौन से तर्क प्रस्तुत किए हैं?
  - संपादकीय की भाषा-शैली कैसी है ?

(प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

- छात्रों से रपट (पन्ना संख्या 44) का वाचन करवाएँ।
- छात्र रपट के लिए एक नया शीर्षक लिखें

(सूचकों के आधार पर (पन्ना संख्या 45) शीर्षक का स्वनिर्धारण)

- बिंदुओं की सहायता से (पन्ना सं. -45) 'बढ़ती सड़क दुर्घटनाएँ' विषय पर संपादकीय लिखें। (ग्रूपकार्य)
- संशोधन-प्रक्रिया चलाएँ।
- आशयपरक संशोधन के लिए प्रश्न पूछें।

जैसे : संपादकीय में समस्या (बढ़ती सड़क दुर्घटनाएँ) प्रस्तुत की है?

- समस्या के कारण सूचित किए हैं?
- समस्या-समाधान के लिए सुझाव दिए हैं?
- क्या संपादकीय में अनावश्यक विस्तार है?
- सरल एवं आकर्षक भाषा है ?
- शीर्षक संपादकीय पढ़ने को प्रेरित करनेवाला है?
- संशोधन प्रक्रिया के बाद छात्र संपादकीय का पुनर्लेखन करें।

(पन्ना संख्या 45 के सूचकों के आधार पर संपादकीय का स्वनिर्धारण)

चाँद और कवि

अधिगम उपलब्धियाँ

2.12 प्रगतिशील कविता की प्रवृत्तियों पर चर्चा करके कविता की विश्लेषणात्मक टिप्पणी लिखता है।

2.13 कविता का आस्वादन करके टिप्पणी लिखता है।

2.14 सपने को सच में बदलने की कोशिश करता है।

आशय/धारणा

- रामधारी सिंह दिनकर प्रगतिशील कवि हैं।
- कविता के विश्लेषण से आस्वादन संभव है।

समय : 4 घंटे

सामग्री : वीडियो (चंद्रयान) / चित्र (4) , कविता की ऑडियो /वीडियो

गतिविधि/प्रक्रिया

प्रवेश कार्य

- चद्रयान संबंधी वीडियो का प्रदर्शन/चित्र की प्रस्तुति।
- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें।

  जैसे : यह किससे संबंधित वीडियो चित्र है?
  - वीडियो चित्र में कौन-कौन से दृश्य है?
  - क्या आपको चांद पसंद है, क्यों ?

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

बचपन से ही चाँद हमारे सपनों में है और हम चाँद से प्यार भी करते हैं। चाँद बहुत सुंदर है। इसी चाँद पर मानव अपनी हैसियत से पहुँचा है। आज हम चर्चा करेंगे कविता 'चाँद और कवि'।

सूचनात्मक वाचन

- दो-एक छात्रों का सस्वर वाचन।
- छात्र कविता पढ़ें और अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ निकालें।

(शब्दार्थों के चयन पर स्वनिर्धारण)

- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें।

• यहाँ किनके बीच बातचीत हो रही है?

• उलझनों में फँसकर कौन बेचैन हो जाता है?

• किसने मनु को जनमते-मरते देखा है?

• पागल कहकर चाँद किसका उपहास करता है?

• चाँद के अनुसार मनुष्य का स्वप्न किसके समान है?

• बुलबुलों से खेलकर कविता बनाता, कौन ?

• कवि के लिए कौन बोलने लगी?

• कवि आग में किसको गलाकर लोहा बनाता है?

• कल्पना की जीभ में क्या होती है?

(प्रतिक्रियाओं के आधार पर अध्यापिका का निर्धारण)

निम्नलिखित शब्दों के लिए कविता में प्रयुक्त शब्द छाँटकर लिखें।

आसमान, विचित्र, मानव, जिह्वा, तीर, खड्ग

(सही शब्दों के चयन पर स्वनिर्धारण)

विश्लेषणात्मक वाचन

निम्नलिखित प्रश्न पूछें।

जैसे : कौन उलझनें बनाता है?

• आदमी किसमें फँसकर बेचैन हो जाता है?

• 'आदमी भी क्या अनोखा जीव होता है,' चाँद क्यों ऐसा कह रहा है?

आदमी स्वयं उलझनें बनाता है और उसमें फँसकर बेचैन हो जाता है।

- प्रश्नों के द्वारा चर्चा चलाएँ।
  - क्या आपने कभी सपना देखा है?
  - क्या वे सपने कभी साकार हुए हैं?
  - सपने साकार करने के लिए हमें क्या करना पड़ता है?
  - स्वप्न जल का बुलबुला है या नहीं क्यों?
  - प्रश्नों द्वारा चर्चा चलाएँ।
  - चाँद का उपहास सुनकर कौन चुप रहा?
  - कवि के लिए कौन बोल उठा?
  - रागिनी ने चाँद से क्या-क्या कहा?
  - कवि के बदले रागिनी क्यों बोल उठी?

(छात्रों की प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

कवि कविता के माध्यम से अपना विचार प्रकट करता है। यहाँ कवि परदे के पीछे रहता है। और कविता प्रकट होती है। कवि यहाँ कविता को समाज के मत प्रकट करनेवाला साधन मानता है अर्थात कविता समाज की धडकन है।

- प्रश्नों द्वारा चर्च चलाएँ।
  - कविता स्वप्न को गलाकर क्या बना देती है?
  - लोहे की नींव पर किसकी स्थापना होती है?
  - नए घर की दीवार कैसे होती है?
  - यहाँ दीवारों को फौलाद क्यों कहा गया है?

(छात्रों की प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

मन में उठनेवाले विचार चाहे शुरू में अस्पष्ट दिखते हो, परंतु मन रूपी धौंकिनी में गल गलकर वे सुदृढ़ बनते जाते हैं। वे विचार समाज को सुदृढ़ बनाने में काम आते हैं।

- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें।
  - मनु के स्थान पर आज कौन है?
  - मनु-पुत्र के हाथ में बाण और तलवार के रूप में क्या-क्या हैं?
  - मनु-पुत्र की कल्पना कैसी है?

(छात्रों की प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

मनु-पुत्र मानव में असीम शक्ति है उसकी कल्पना तेज़ धारवाली होती है। इसमें विचारों के बाण ही नहीं, हाथों में सपनों के तीक्ष्ण तलवार भी रहती है। अर्थात मानव के सपने और विचार में असीम शक्ति होती है।

- प्रश्नों द्‌वारा चर्चा चलाएँ।
  - स्वर्ग के सम्राट को क्या खबर पहुँचना है?
  - स्वर्ग के सम्राट से क्या ललकार करता है?
  - स्वर्ग का सम्राट कौन हो सकता है?

(छात्रों की प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

व्यक्ति, समाज, राष्ट्र एवं विश्व की सकारात्मक (Positive) प्रगति (Prograssive) के विरुद्‌ध खड़ा होनेवाली समस्त नकरात्मक (Negative) शक्तियाँ स्वर्ग के सम्राट हो सकते हैं।

- अनुवर्ती कार्य। चलाएँ।

(पंक्तियों के चयन पर स्वनिर्धारण)

- अनुवर्ती कार्य 2 चलाएँ।
- अध्यापिका प्रश्न पूछें।
  - विश्लेषणात्मक टिप्पणी की विशेषताएँ क्या-क्या होती हैं?
- छात्रों की प्रतिक्रिया अध्यापिका बॉर्ड पर लिखें ।

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

कविता का आशय ग्रहण करने तथा आशयों का विश्लेषण करने के उपरांत पाठक आलोचनात्मक ढंग से कविता को परखकर जो टिप्पणी लिखता है वह विश्लेषणात्मक टिप्पणी है। विश्लेषणात्मक टिप्पणी में पाठक के वैयक्तिक दृष्टिकोण की प्रमुखता है।

- विश्लेषणात्मक टिप्पणी-लेखन (वैयक्तिक रूप से)

(सूचकों के आधार पर टिप्पणी का स्वनिर्धारण)

- अनुवर्ती कार्य 3 चलाएँ।
- कविता की आस्वादन टिप्पणी का लेखन

(आस्वादन टिप्पणी पर अध्यापिका का निर्धारण)

- अनुवर्ती कार्य 4 चलाएँ।
- विचारों पर टिप्पणी-लेखन (ग्रूप कार्य)
- दो-एक छात्र की प्रस्तुति।

(प्रस्तुति पर आपसी निर्धारण)

'चाँद और कवि' प्रगतिशील कविता है। हमारे समाज में कई प्रकार की रूढ़ियाँ हैं, जो परिवर्तन के विरुद्ध खड़ी रहती है। यहाँ चाँद रूढ़ियों का प्रतिनिधि है और कविता परिवर्तन का। परिवर्तन एक क्षण में नहीं होता, उसके पीछे दशकों की कल्पनाएँ समाहित हैं।

परिवर्तन का तूफान सपनों में समेटकर बैठे कवि पर चाँद उपहास करता है। चाँद उसे अनोखा जीव पुकारता है, यह इसलिए कि कवि जान बूझकर उलझनें उत्पन्न करता है, उसीमें फँसता रहता है, फिर बेचैन होकर उसकी नींद तक हराम होता है।

चाँद सृष्टि के पुराने पदार्थ होने पर अहं करता है। मनु को भी देखा हुआ चाँद अपनी चाँदनी में पागल की तरह बैठ स्वप्नों को सच में परिवर्तित करने की कोशिश करनेवाले कवि को तुच्छ मानता है। चाँद आदमी के स्वप्न की तुलना जल के बुलबुले से करता है। क्षण में टूट जानेवाले बुलबुले को सच मानकर कविता करनेवाले कवि पर चाँद व्यंग्य करता है।

कवि चुप रहा, पर परिवर्तन की आग हृदय में छिपाई हुई कविता चुप नहीं रह सकी। वह चाँद को ललकारने लगी। अपनी शक्ति की घोषणा करती हुई कविता चाँद से सही पहचान करने को बताती है। कविता की घोषणा थी कि वह केवल स्वप्न को सच माननेवाली नहीं है, परंतु स्वप्न को अपनी मनन की आग में गला-गलाकर लोहे में परिवर्तित करती है। फिर उस मज़बूत नींव पर नए निर्माण की फौलादी दीवार खड़ा करती है।

कविता मनुपुत्र मानव की अपार शक्ति से चाँद को परिचित कराती है। मानव की वाणी विचार एवं कर्म की अपार समन्वयशक्ति की उद्घोषणा करके चाँद को ललकारती है कि मानव अपनी मननशक्ति के सहारे रूढ़ियों पर विजय प्राप्त करता आ रहा है। जिसका तुम स्वप्नजीव कहकर उपहास करते हो, उसे रोकने की क्षमता किसी में नहीं है।

इकाई निर्धारण

जैसे :

- निम्नलिखित दोहा पढ़ें और प्रश्नों के उत्तर लिखें।

  कामी क्रोधी लालची, इनते भक्ति न होय।

  भक्ति करै कोई सुरमा, जाति बरन कुल खोय।।

  - निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखें।

    इनस, शूर, वर्ण
  - किनसे भक्ति नहीं होती ?
  - दोहे का भाव लिखें।
- निम्नांकित सूचकों की सहायता से किसी एक मनपसंद फिल्म की समीक्षा लिखें।
  - फिल्म का कथासार
  - पात्रों का अभिनय
  - पटकथा, संवाद, छायाकन, ध्वन्यांकन, संपादन, गीत
  - निदेशक की भूमिका
  - फिल्म के प्रति अपना दृष्टिकोण
- निम्नलिखित बिंदुओं की सहायता से **वृक्षारोपण; हमारा दायित्व** पर संपादकीय तैयार करें।
  - पेड़ों की बरबादी
  - मौसम पर बुरा असर
  - जीव-जंतुओं पर असर
  - प्राकृतिक-संतुलन पर बुरा असर
  - मानव की स्वार्थता
  - वृक्षों की रक्षा हमारा दायित्व

चित्र - 1

चित्र - 2

चित्र - 3

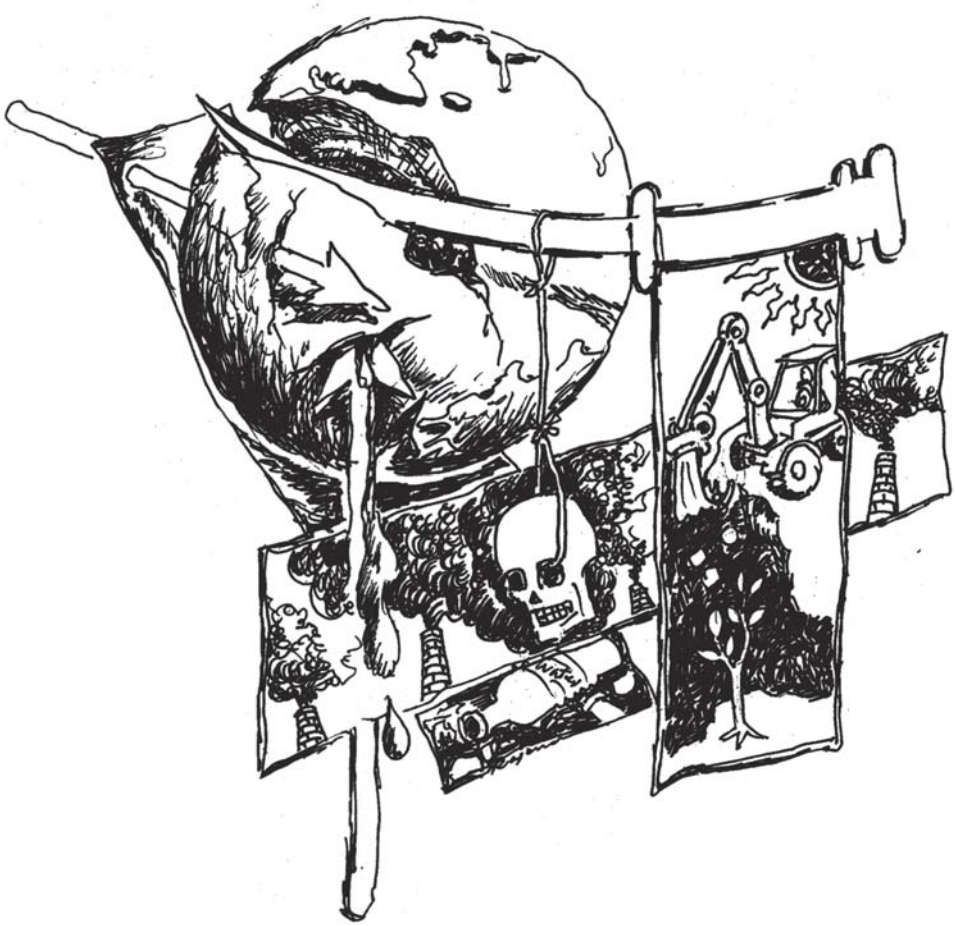

चित्र - 4